

बृहन्मुंबईतील विभाग व कार्यालये  
यासाठी संयुक्त सल्लागार परिषद-  
पुनर्घटित करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन,  
सामान्य प्रशासन विभाग,  
निर्णय क्रमांक:-आरणीस-१०८१/सी-३९/१६-अ,  
मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२,  
दिनांक:-२८ जुलै १९८२.

- पहा:-** १) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक-आरणीस १०७५/आरा,  
दिनांक २०/९/१९७५.  
२) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक-आरणीस-१०७५-तेरा,  
दिनांक २४/१०/१९७५.  
३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक-आरणीस-१०८१/  
सी-३९/सोळा-अ, दिनांक १६/६/१९८१.

**निर्णय:-** शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक:-आरणीस-१०८१/सी-३९/१६-अ,  
दिनांक १६/६/८२ नुसार <sup>स्थापन केलेल्या</sup> बृहन्मुंबईतील विभाग व कार्यालये यासाठीच्या संयुक्त सल्लागार  
परिषदेची पुनर्रचना करण्यात येत असून ~~कार्यवाही~~ प्रतिनिधीबाबत घालीलप्रमाणे बदल  
करण्यात येत आहेत:-

**अ - शासनाचे प्रतिनिधी**

१. सचिव (सेवा), सामान्य प्रशासन विभाग	अध्यक्ष
२. विज्जीकर आयुक्त	सभासद
३. जिल्हाधिकारी मुंबई	सभासद
४. दुग्ध विकास आयुक्त	सभासद
५. संचालक, वैयक्तिक शिक्षण व संशोधन	सभासद

**ब - कर्मचा-यांचे प्रतिनिधी**

१. श्री.एस.एस.आयरेकर	सभासद
२. श्री.एस.एस.पाटकर	सभासद
३. श्री.बी.एस.शेटे	सभासद
४. श्री.प्रबोध देसाई	सभासद
५. श्री.के.एन्.परख	सभासद

हेतु तत्त्व, संस्कृत प्रशासन विभाग [कार्यसिद्धि १६-३] हे परीत संयुक्त  
संस्थानां परिषदेचे तत्त्व मन्त्रण काम पहातील.

महाराष्ट्राची तत्त्वज्ञान यांचेय आदेशानुसार व नांवाने.

५/५/५६

[प्र. ५ माळवे]

अपर तत्त्व, महाराष्ट्र शासन.

प्रति,

- राज्यपालांचे तत्त्व,
- मुख्यमंत्र्यांचे तत्त्व,
- तत्त्व [सिद्धि], राज्य प्रशासन विभाग,
- शासनाचे आदेश तत्त्व,
- विश्रीका मन्त्रण,
- मिळतापिचारी, मुंबई,
- संपादन, वैयक्तिक प्रिन्टिंग व तत्त्व,
- दुसरे विभाग मन्त्रण, मुंबई,
- गेटर वॉन्डे गेट मन्त्रण, मुंबई,
- श्री. एस्. एस्. भादरेकर, पदारा, वायव्यपठ, वास्तवीय मन्त्रण, मुंबई,
- श्री. एस्. एस्. वाटकर, पदारा, वायव्यपठ, वास्तवीय मन्त्रण, मुंबई,
- २५, एस्. वाई माय-वाय, दुसरा मन्त्रण, मुंबई,
- विश्रीका मन्त्रण, महाराष्ट्र, मुंबई-१०,
- श्री. प्रदीप देसाई, पदारा, तापेविक मन्त्रण, मन्त्रण, मुंबई,
- श्री. पी. एस्. गेट, पदारा, संपादन, वायव्य मन्त्रण, वास्तवीय मन्त्रण, मुंबई,
- श्री. के. एन्. परब, पदारा, वायव्यपठ, वास्तवीय मन्त्रण, महाराष्ट्र,
- मिळतापिचारी, २०, मिळतापिचारी लेन, कोर्ट, मुंबई,
- सर्व मन्त्रण विभाग.
- पत्राने.